भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1570
दिनांक 05 अगस्त, 2024

स्टील सिलेंडरों के स्थान पर फाइबर आधारित आधुनिक सिलेंडरों का प्रयोग

1570. **श्री कार्तिकेय शर्मा :**

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या स्टील सिलेंडरों को फाइबर आधारित आधुनिक सिलेंडरों से बदलने के लिए सरकार द्वारा किसी वित्तीय परिव्यय की योजना बनाई गई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) गुणवत्ता, सुरक्षा, क्रय क्षमता आदि के मामले में आधुनिक सिलेंडर स्टील सिलेंडरों से किस प्रकार भिन्न हैं और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या विशेष रूप से हरियाणा में इन सिलेंडरों के उत्पादन के लिए कोई विनिर्माण सुविधाएं प्रस्तावित हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और
(घ) आम जनता के बीच इन नए सिलेंडरों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (घ) दिनाँक 01.07.2024 की स्थिति के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कम्पनियों (ओएमसीज) द्वारा सेवित सक्रिय घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं की संख्या 32.68 करोड़ है। रीफिलों की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने एवं नए एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराने के निमित्त वर्तमान में ओएमसीज के 50 करोड़ सिलेण्डर परिचालन में है जो मुख्यतः इस्पात के सिलेण्डर हैं। स्थानापन्न और भावी नई माँग को पूरा करने के लिए ओएमसीज नियमित रूप से अपनी वस्तु-सूची की समीक्षा करती हैं और नए सिलेण्डरों की अधिप्राप्ति के लिए निविदाएँ आमन्त्रित करती हैं।

कम्पोजिट सिलेण्डर पीएसयू ओएमसीज की हाल की प्रस्तुति है और इनका परिचालन बहुत सीमित दायरे में है। ये सिलेण्डर त्रिस्तरीय रचना वाले होते हैं। ये सिलेण्डर ब्लो-मोल्डेड उच्च घनत्व वाले पॉलीथीलीन (एचडीपीई) की इनर लाइन से बने होते हैं, पॉलीमर रैप्ड फाइबर ग्लास के कम्पोजिट सतह से ढँके होते हैं तथा एचडीपीई के बाहरी जैकेट से सज्जित होते हैं। ये सिलेण्डर, नियमित इस्पात सिलेण्डरों से मँहगें होते हैं किन्तु वज़न में हल्के, जंगरोधी, पारभासी तथा सुरक्षित होते हैं।

तेल विपणन कम्पनियाँ (ओएमसीज) प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से निविदा अपेक्षाओं को पूरा करने वाले किसी विनिर्माता से कम्पोजिट सिलेण्डरों की अधिप्राप्ति करती हैं। वर्तमान में ओएमसीज द्वारा देश में कहीं भी किसी विनिर्माण कारखाने की स्थापना करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

ओएमसीज विभिन्न पद्धतियों यथा, उपभोक्ताओं के बीच जागरुकता फैलाने, बैनरों और स्टैंडीज के डिसप्ले, होम डिलीवरी के समय पैम्पलेटों का वितरण तथा अन्य विपणन पहलों आदि के माध्यम से कम्पोजिट सिलेण्डरों को प्रोत्साहित कर रहीं है।

****